गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 7 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 दिसम्बर 2015 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

प्रयास रिश्तों को जोड़ने का 'पत्रिका' का विमोचन

कहा जाता है कि जोड़ियां 'ऊपर' से बनकर आती है किन्तु जोड़ियों को मिलाने का काम धरती पर ही करना पड़ता है । समय के साथ ये कार्य भी अत्यंत कठिन होता जा रहा है । विज्ञान और तकनीक ने जहां यह काम सरल किया है वहीं रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं ने इसे जटिल बना दिया है । आज विवाह एक धार्मिक सामाजिक या पारिवारिक विधि न रहकर व्यक्तिगत होती जा रही है । स्वाभाविक ही जोड़ियां मिलाने का काम भी पंडित, नाई, कुंडली आदि से हटकर मैरिज ब्यूरो, मैट्रीमोनियल साइट्स और बायोडाटा द्वारा होने लगा है । सिद्धक्षेत्र पवाजी (पावागिरी) का वार्षिक मेला भी ऐसे ही एक पारंपरिक मैरिज ब्यूरो की तरह है जहां बरसों से समाजजन विवाह संबंधों को जोड़ने के लिए एकत्र होते रहे है और सफल भी होते रहे है । यहीं से हमें प्रेरणा मिली अपने मुखपत्र ''गोलालारीय दर्शन'' में विवाह योग्य युवक युवतियों के बायोडाटा छापने की । समाज ने भी इसे हाथों हाथ लिया । समाज के उत्साह को देखते हुए हमने पिछले दो वर्षो से दिसम्बर माह में विवाह विशेषांक निकाला जा रहा था, जिसका स्वागत चहुंओर किया गया। इस वर्ष हमने एक कदम और आगे बढ़ाकर इसे 'प्रयास– रिश्तों को जोड़ने का' एक विस्तृत पत्रिका का कलेवर दिया । इस हेतु जून माह से विशाल स्तर पर तैयारी की गयी । देशभर में हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने कठिन परिश्रम कर विवाह योग्य प्रत्याशियों के बायोडाटा एकत्र कर हम तक पहुंचाये और अपने प्रवेशांक में ही 496 बायोडाटा का सफल प्रकाशन संभव हो सका । पत्रिका के विमोचन के लिए स्वाभाविक ही पवाजी के वार्षिक मेले से बेहतर कोई और स्थान नहीं हो सकता था, जो इस सपने की जन्मस्थली है ।

29 नवम्बर 2015, रविवार को सिद्धक्षेत्र पवाजी के वार्षिक मेले में आयोजित विमोचन समारोह में न केवल आसपास वरन् दूरदराज से भी अनेक समाजजन उपस्थित हुये । मुख्य अतिथियों एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । मंचासीन मुख्य अतिथि श्री कैलाशचंद जैन 'दैनिक विश्व परिवार' झांसी, श्रीमती आशा अशोककुमार जैन एमआईसी सदस्य भोपाल, पं. विनोदकुमार शास्त्री बबीना व अतिथि शिरोमणि संरक्षक श्री अशोककुमार जैन 'शांति सीड्स' भोपाल, परम संरक्षक श्री खुशालचंद जैन इन्दौर, श्री पुष्पेन्द्रकुमार जैन तालबेहट, श्री राजेश जैन 'बीड़ीवाले' एवं श्री ऋषभ जैन अध्यक्ष महासमिति झांसी, संरक्षक श्री प्रेमचंद जैन डबरा, श्री कोमलचंद जैन इन्दौर एवं श्री बाहुबली जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' इन्दौर, श्री ज्ञानचंद जैन 'पुरावाले', श्री जयकुमार कंधारी, श्री प्रेमचंद जैन नयाखेड़ा, श्री कैलाशचंद जैन ललितपुर के समक्ष मंगलाचरण सुश्री शिखा सलिल जैन, बीना ने प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । तत्पश्चात 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं 108 श्री विद्यासागरजी महाराज का चित्र अनावरण उनके समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया । गोलालारीय दर्शन को 11000 ₹ से अधिक दानराशी प्रदान करने वाले परम संरक्षक श्री अशोककुमार जैन 'बिरधावाले', श्री राकेश जैन जौहरी सागर व 5100 ₹ से अधिक दानराशी प्रदान करने वाले संरक्षक सदस्यों श्री राजेन्द्रकुमार जैन स्टेनो ललितपुर, श्री अजितकुमार जैन, श्री कोमलचंद जैन इन्दौर, डॉ. प्रकाशचंद जैन सागर, श्री नरेन्द्रकुमार जैन 'बुढ़वार' भोपाल, श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट, श्री शांतिकुमार जैन गंजबासौदा, श्री रविन्द्र जैन भेल झांसी, श्री सुरेन्द्रकुमार पंचरतन सागर, श्री संजय जैन मुंबई, श्री सुरेन्द्रकुमार जैन बामोरकला का हार, तिलक और स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया । प्रयास पत्रिका के प्रकाशन हेतु तन, मन, धन से सक्रिय सहयोग करने वाले क्षेत्रीय प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया । जिनके अथक प्रयासों से आज पत्रिका ने इस ऊंचाई को प्राप्त किया है । श्री कन्छेदीलाल जैन विदिशा, श्री शांतिकुमार जैन गंजबासौदा, श्री सत्येन्द्र जैन अहमदाबाद, श्री विनोद भैया बैरागी, श्री राजकुमार जैन बबीना, श्री विशाल जैन पवा, श्री चक्रेश जैन अशोकनगर, श्री अनिलकुमार जैन छतरपुर, श्री निर्मलकुमार जैन डोंगरगढ़, श्री जयकुमार जैन, डॉ. सुनील जैन, श्री आलोककुमार जैन जबलपुर, श्री राजेश जैन बीड़ीवाले झांसी, श्री विकास जैन जैतवारा, श्री मुन्नालाल जैन एडवोकेट, श्री अरविंदकुमार जैन बरौदवाले, श्री शैलेष जैन पत्रकार, श्री राकेशकुमार जैन 'डब्ल्यू' ललितपुर, श्री कुमुदकुमार जैन मंडी बामौरा, श्री अभिषेक जैन पन्ना, श्री राकेश जौहरी, सुरेश पंचरतन सागर, श्री संजय जैन मुंबई, श्री नरेन्द्र जैन बामोरकला, श्री अशोककुमार जैन जखौरा, श्री मुकेशकुमार जैन पृथ्वीपुर, श्री सुभाष जैन टीकमगढ़ प्रमुख रहे ।

कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री कोमलचंद्रजी जैन अध्यक्ष गोलालारीय समाज इन्दौर ने 'प्रयास' पत्रिका के प्रकाशन तक के सफर का वर्णन किया । वहीं पत्रिका के संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने गोलालारीय दर्शन और प्रयास की आगामी योजनाओं की जानकारी दी । अपने उद्बोधन में उन्होंने आगामी वर्षों में परिचय सम्मेलन आयोजित करने के प्रयास की संभावना जताई जिसका उपस्थित जनसमूह से करतल ध्वनि से स्वागत किया ।

दैनिक विश्व परिवार के संपादक एवं इस आयोजन के प्रेरणास्त्रोत श्री प्रवीणकुमार जैन ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि गोलालारीय दर्शन परिवार अपने प्रतीक चिन्ह के अनुरुप संपूर्ण विश्व के जैन परिवारों को साथ लेकर चलने की भावना पर जोर देता है । इस पत्रिका में दिगम्बर जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों के विवरण का समावेश कर एक नई पहल की शुरुआत इस सिद्धक्षेत्र से की है । बुंदेलखंड का यह तीर्थक्षेत्र कभी विवाह संबंधों को जोड़ने के लिए प्रसिद्ध रहा है, आज यह पत्रिका इस प्रयोजन को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी । दिगम्बर जैन समाज के सदस्यों को मिलजुलकर इस प्रकार के आयोजन निरंतर करते रहना चाहिए ताकि विवाह संबंधी जानकारियां सुलभ रूप से प्राप्त हो और भविष्य में सामूहिक विवाह जैसे प्रंसग की भूमिका हेतु कार्ययोजना का निर्माण हो सके । डॉ. पी.सी. जैन, सागर ने समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार पर जोर दिया, सरकार की ओर से प्राप्त आर्थिक सहायता व योजनाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु अपना सहयोग देने की भावना प्रकट की ताकि समाज के विद्यार्थियों को इस हेतु सही मार्गदर्शन प्राप्त हो । विमोचन समारोह के आयोजन में सहयोग देने हेतु पवाजी तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष आदि अन्य सदस्यों का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मंचासीन मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों द्वारा प्रयास पत्रिका का विमोचन किया गया। विमोचन के पश्चात सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह ने पत्रिका के आकर्षक कलेवर, शानदार प्रिंटिंग और खूबसूरत रूपरंग की भूरि भूरि प्रशंसा की । इस प्रकार 'प्रयास' ने अपने पहले ही प्रयास में इतनी अधिक संख्या में बायोडाटा के संकलन और प्रकाशन में सफलता प्राप्त की । आगामी वर्षो में इसका स्वरूप और वृहद होगा इसकी पूर्ण आशा है । उपस्थित अतिथिगणों और जनसमूह ने प्रयास के सफल प्रकाशन हेतु संपादक मंडल को बधाई दी । कार्यक्रम के अंत में तीर्थक्षेत्र पवाजी कमेटी के अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद्र जैन पूरावालेजी ने सभी का आभार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु श्रीमती अनुपमा जैन, सहसंपादिका गोलालारीय दर्शन को बधाई प्रेषित की । **– अनुपमा जैन, सहसंपादिका**

प्रयास रिश्तों को जोड़ने कार्यक्रम की अविस्मरणीय झलकियां...

प्रयास रिश्तों को जोड़ने कार्यक्रम की अविस्मरणीय झलकियां...

रवीन्द्र जैन : एक संस्मरण

गायक,गीतकार, संगीतकार रवीन्द्र जैन 'दादू' को एक विलक्षण कलाकार के रूप में तो अनेक कार्यक्रमों में देखने और सुनने का अवसर मिला । वे जितने महान कलाकार थे उतने ही सरल और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी थे । उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को करीब से देखने का सौभाग्य मुझे तब मिला जब वे खरगोन में एक संस्था द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में आये थे। फिल्मी दुनिया के ग्लैमर और चकाचौंध से दूर उन्होंने आयोजकों से होटल के बजाय किसी जैन समाज के घर से अपने भोजन की व्यवस्था कराने का आग्रह किया । आयोजक मेरे पति के मित्र थे सो उन्होंने यह जिम्मेदारी हमें सौंप दी । समय पर भोजन बनाकर भिजवा दिया गया । किन्तु कुछ ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुयी कि हमें अपने घर पर ही दादू के आतिथ्य सत्कार का सौभाग्य प्राप्त हो गया । मैंने स्वयं उन्हें भोजन परोसा और वे बड़े चाव से भोजन करते रहे । एक एक चीज को बड़े स्वाद से खाया और प्रशंसा की । एक पल के लिए भी उन्होंने हमें यह अहसास नहीं होने दिया कि वे कितने बड़े कलाकार हैं । आज उनके जाने के बाद वे पल हमारे जीवन के यादगार पल बन गये हैं ।– अनुपमा जैन

पाठकों की कलम से...

* संपादक मंडल को कोटिश: बधाईयाँ । **'प्रयास, रिश्तों को जोड़ने का...'** 2015 के प्रकाशन पर पत्रिका के समस्त पदाधिकारियों को बहुत बहुत बधाई एवं साधुवाद । प्रयास के प्रथम प्रकाशन में आप सभी ने बहुत ही अथक परिश्रम कर पत्रिका को इतना सुंदर, व्यवस्थित एवं कलात्मक रूप से प्रस्तुत कर सभी के मन को प्रसन्न कर दिया । पत्रिका को जिसने भी देखा सभी ने इसकी सराहना खुले दिल से की और आशा व्यक्त की, कि आगे के वर्षों में इसका प्रकाशन और अच्छे रूप से होगा । आगामी वर्ष में पत्रिका प्रकाशन के साथ सम्मेलन की योजना पर भी विचार किया जावे । सम्मेलन को भोपाल या इन्दौर में आयेजित किया जावे । जहां पर यातायात के पर्याप्त साधन उपलब्ध रहते है । हर दिशा से आसानी से पहुंचा जा सकता है । अंत में पुन: पुन: समस्त संपादक मंडल को बधाई। **– कन्छेदीलाल जैन, विदिशा**

* आपके द्वारा नव प्रकाशित पत्रिका **'प्रयास, रिश्तों को जोड़ने का...'** का अंक प्राप्त हुआ । पत्रिका अत्यंत व्यवस्थित एवं सुसज्जित है । हाथ में आने पर अपनेपन का अहसास कराती है । भविष्य में भी और अच्छा 'प्रयास' पत्रिका प्रयास करेगी, ऐसी आशा है । हमारी ओर से समस्त संचालक मंडल एवं प्रकाशन समिति को हार्दिक बधाई ।– **वीरेन्द्र जैन 'बांसीवाले', विदिशा**

* आज का समय 4 जी की दुनिया का है । हमारा समाज विवाह हेतु रिश्ते को ढूंढने में आज भी पुरानी पद्धतियों का उपयोग कर रहा हैं, जिसके कारण रिश्तों को खोजने और जोड़ने में हमारा कीमती वक्त जाया होता है फिर भी हमें योग्य पात्र की जानकारी आसानी से प्राप्त नहीं होती है। ऐसे विकट समय में आपने **'प्रयास, रिश्तों को जोड़ने का...'** पत्रिका का प्रकाशन करके पात्र चयन पद्धति को आसान बनाया है । ढ़ेर सारे बायोडाटा भारत के विभिन्न शहरों तथा गांव से एकत्रित करके एक माला में पिरोकर आपने पहाड़ जैसे मुश्किल काम को आसान किया है । मुझे आपका यह प्रयास बहुत ही सराहनीय लगा । मै आशा रखता हूं कि आने वाले भविष्य में आप इसी प्रकार के और भी प्रयास करेंगे । मैं समाजजनों से यह अनुरोध करुंगा कि इस प्रकार के प्रयास जिनमें हमें विवाह योग्य पात्र का चयन करने में आसानी होती है तो हमें इस प्रकार की प्रकाशित होने वाली पत्रिका में पूर्ण रूप से अपने परिवार के विवाह योग्य युवक तथा युवतियों के बायोडाटा प्रकाशन हेतु प्रदान करना चाहिए ताकि उचित जानकारी प्राप्त होकर सही दिशा में आगे बढ़ा जा सके । हमें नि:संकोच होकर बायोडाटा का प्रकाशन करवाना चाहिए । मैं आशा करता हूं कि यह पत्रिका उन सभी अभिभावकों के लिए एक उत्तम तोहफा है जो अपने पुत्र या पुत्री के विवाह के लिए इधर–उधर किसी से भी योग्य पात्र की जानकारी के लिए भटकते रहते हैं उन्हें प्रयास पत्रिका के माध्यम द्वारा उपयुक्त पात्र तो मिलेगा ही तथा वह अपना कीमती समय तथा धन भी बचेगा । मैं पुन: गोलालारीय दर्शन के संपादक मंडल एवं गोलालारीय समाज इन्दौर के सभी कार्यकर्ताओं का तथा देशभर के गोलालारीय दर्शन के सभी प्रतिनिधियों का हृदय से हार्दिक अभिनंदन करता हूँ जिन्होंने इस सुंदर कार्य को यथासंभव सफल बनाने में अपना अथक सहयोग दिया तथा आने वाले समय में इसी प्रकार के और प्रयास होते रहे ऐसी मंगल भावना रखता हूं । **– सत्येन्द्र जैन, अहमदाबाद**

* माह सितम्बर 2015 के महापर्व पर्यूषण पर्वाधिराज के समय पर पत्रिका में छपे लेखों ने मन को छू लिया है। ऐसे महत्वपूर्ण लेख हर समय सहज ही नहीं लिखे जाते है । जिनकी बहुत सरल भाषा हो और जो पाठक को सहज ही शीघ्र ही तुरंत ही दिमाग में उतर जाये । संलेखना–संथारा पर लिखा गया श्रीमती अर्चना जैन, इन्दौर का विस्तृत लेख जो कि जानकारियों की गहराईयो में समाया हुआ है । इतिहास–वर्तमान व भविष्य हेतु बहुत ही सारगर्भित जानकारी इस लेख को पढ़कर मिली । इसका धार्मिक महत्व किस तरह जरुरी है और संल्लेखना अपनाकर 'प्रार्थी' किस तरह खुद को सहज पाता है, समझ आया । जन्म उत्सव के साथ साथ मृत्यु महोत्सव को अपनाने–मनाने और इसमें डूब जाने की प्रेरणा देता यह लेख । त्याग करो – पुण्य कमाओं विषय का डॉ. कीर्ति जैन, खरगोन का लेख – पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के समय धर्मलाभ लेने के लिये समयाभाव के बाद भी, किस तरह कर्मो की निर्जरा कर पुण्य कमा लेने की बात को स्वाभाविक तौर से समझाने में सक्षम है । चतुर्मास के समय क्या करे क्या ना करे । जैन धर्मानुसार क्या अपनाए व क्या त्याग करे, ज्ञान आराधना करके दु:खो को कैसे टालना एवं अगले भव को अभी से किस तरह सफल करना आदि बातों को सरलता से समझाया यह लेख हम सभी के लिये महत्वपूर्ण व शिक्षाप्रद है । एक लेख और जो साधनाजी भोपाल द्वारा लिखित – 'धन बरसाने वाले मास–चातुर्मास' के द्वारा जिनवाणी के माध्यम से सीधे 'प्रभु' से जुड़ सकने की तीव्र इच्छाशक्ति के ठीक विपरीत ऐसे समय किस तरह 'कुबेर के खजाने' को समाजजन द्वारा आश्चर्यजनक तरीको से प्रदर्शित करने की होड़ की तरफ हमारा ध्यान खींचता है । उन्होंने समाज की एक बहुत ही 'दुखती रग' पर हाथ रखने की कोशिश भी की है। चातुर्मास के लिये कुछ साधुओं को स्थापना नारियल भी भेंट ना कर रुकने की सामाजिक कमी को स्पष्ट रुप से उकेरा है । लेखिका के स्पष्ट व साहसिक शब्दों का समाज को स्वागत करना चाहिए । गोलालारीय दर्शन के लेखकों/लेखिकाओं की भावनाओं और उनके सशक्त शब्दों को, जो कि समाज का दर्पण है – समझकर समाजजन को स्वीकार करना चाहिए । वे सभी लेखक लेखिकाये धन्यवाद के पात्र है जो समय समय पर समाज जन को अपने प्रेरक लेखो के माध्यम से समझाईश देते रहते है । हमारी अपनी समाज में इन्हें पाकर हम गर्व महसूस करते है। **– सिंघई ओमप्रकाश जैन, सुखलिया, इन्दौर**

* **''प्रयास, रिश्तों को जोड़ने का...''** के सुंदर प्रकाशन के लिए धन्यवाद । वर्तमान समय में जहां रिश्तों को जोड़ने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कुछ तथाकथित सज्जन कहलाने वाले लोग विवाह संबंधों की आड़ में छल फरेब और धोखाधड़ी का व्यापार फैलाने में लगे हुये है । ये लोग विवाह के पश्चात वर पक्ष को ब्लेकमेल कर बदनाम करने के साथ ही डरा धमकाकर तलाक के लिये मजबूर करते हैं और विवाह जैसे पवित्र संबंध को दूषित और कलंकित करते हैं। आपसे निवेदन है कि ऐसे तथाकथित सज्जन लोगो का पर्दाफाश कर समाज को नष्ट होने से बचाने में अपना सहयोग दें । **– डॉ. कल्पना जैन, सिवनी मालवा**

अंत्यत हर्ष का विषय है कि हमारी गोलालारीय दर्शन समाचार पत्र नई ऊंचाईयों पर पहुंच रही है । आपसे नम्र निवेदन है कि जो शब्द जाल प्रतियोगिता है उसे सभी सही उत्तर देने वालों का नाम आप आगामी अंक में देंगे। ऐसा करने से सभी प्रतिभागियों का उत्साह तथा मनोबल बढ़ेगा, केवल मात्र पांच विजेताओं का नाम तथा फोटो छापना पर्याप्त नहीं है । हमें इसे प्रतियोगिता में प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ना है । आपके पास कई उत्तर आते होंगे, जो प्रतिभागी बड़े उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में शामिल होकर कोरियर तथा पोस्ट द्वारा जवाब भेजते है उनकी लगन लगी रहे तथा मनोबल ऊंचा उठाने के लिए सभी सही उत्तर देने वालों का नाम आप प्रकाशित करेंगे । **– आकाश जैन, विदिशा**

– आपका यह सुझाव स्वागत योग्य है, हमने इसी अंक से सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों के नाम फोटो सहित प्रकाशित कर रहे है । – संपादक

विनम्र श्रद्धांजलि

श्रीमती निम्मीबाई जैन का देवलोकगमन जबलपुर में हो गया । श्रीमती निम्मीबाई बहुत ही मिलनसार, धार्मिक, मृदुभाषी एवं सरल स्वभावी महिला थी ।

श्री महेन्द्रकुमार जैन (बड़ा घरवालों) की 28 सितम्बर 2015 को अल्प बीमारी के दौरान मृत्यु हो गई । आप काफी सरल स्वभावी व शांतप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे । आप अपने पीछे काफी भरा पूरा परिवार छोड़कर गये है । आपकी प्रबल इच्छा थी कि मेरी मृत्यु के बाद मेरे नत्रदान कर दिये जाये । उनकी इच्छा का परिवार ने पूरा ध्यान रखा व चेतना समिति, गंजबासौदा ने तुरंत नेत्रदान की व्यवस्था की । अब उनके नेत्रों से कई व्यक्तियों को रोशनी उपलब्ध हो रही है ।

श्री वीरेन्द्रकुमार जैन का देहांत 13 अक्टूबर 2015 को पवई, पन्ना में हो गया । आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के लिये सदैव अग्रसर रहकर कार्य करते थे ।

श्रीमती अंगूरीबाई जैन धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री फूलचंदजी शास्त्री का निधन अल्प बीमारी पश्चात 82 वर्ष की आयु में 16 अक्टूबर 2015 को इन्दौर में हो गया । आप अत्यंत ही सरल, धैर्यवान, धार्मिक व मिलनसार स्वभाव की महिला थी । आपकी स्मृति में आपके पुत्र श्री अभय जैन एवं आनंद जैन ने गोलालारीय समाज न्यास इन्दौर को 2500/–, न्यू देवास रोड मंदिर को 2500/– एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 2500/– प्रदान किये ।

श्रीमती विमलादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री पूरनचंदजी जैन का निधन अल्प बीमारी पश्चात 26 नवम्बर 2015 को इन्दौर में हो गया । आप धार्मिक एवं पारमार्थिक कार्यों में पूर्ण निष्ठा से योगदान प्रदान करती थी । सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़कर भाग लेती थी । आपकी स्मृति में आपके पुत्र श्री दिनेशकुमार, कमलेश एवं शैलेष जैन ने गोलालारीय समाज न्यास इन्दौर को 2100 रु. एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 1100 रु. प्रदान किये ।

श्रीमती त्रिशला धर्मपत्नी हरिशचंद जैन का अल्प आयु में 3 दिसम्बर 2015 में घंसौर, सिवनी में निधन हो गया । आप धार्मिक एवं मिलनसार महिला थी ।

वा. ब्र. अनिल कुमार जैन
एम.ए., एल.एल.बी.
अधिष्ठाता श्री दि. जैन उदासीन आश्रम द्वारा सम्पादित

जैन तिथि दर्पण श्री वीर निर्वाण संवत् 2542

अमर ग्रंथालय, श्री दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम एवं अभिनंदन प्रिंटिंग प्रेस से साभार * गोलालारीय दर्शन द्वारा प्रकाशित

महीना	1 एकम्		2 दूज		3 तीज		4 चौथ		5 पंचमी		6 छठ		7 सप्तमी		8 अष्टमी		9 नवमी		10 दशमी		11 एकादशी		12 द्वादशी		13 त्रयोदशी		14 चर्तुदशी		15 पूर्णि. अमा.	
	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.	वार	ता.
कार्तिक शु.सं2072	गु	12	शु	13	श	14	र	15	सो	16	मं	17	बु	18	गु	19	शु	20	श	21	र	22	सो	23	मं	24	मं	24	बु	25
मार्गशीर्ष कृष्ण	गु	26	शु	27	श	28	र	29	सो	30	मं	1 दिसम्बर	बु	2	गु	3	शु	4	श	5	र / सो	6 / 7	मं	8	बु	9	गु	10	शु	11
मार्गशीर्ष शुक्ल	श	12	र	13	सो	14	मं	15	बु	16	गु	17	शु	18	शु	18	श	19	र	20	सो	21	मं	22	बु	23	गु	24	शु	25
पौष कृष्ण	श	26	र	27	सो	28	मं	29	बु	30	गु	31	शु	1 जनवरी	श	2	र	3	सो	4	मं	5	बु	6	गु	7	शु	8	श	9
पौष शुक्ल	र	10	सो	11	मं	12	बु	13	गु	14	शु	15	श	16	र	17	सो	18	मं	19	बु	20	गु	21	गु	21	शु	22	श	23
माघ कृष्ण	र	24	सो	25	मं / बु	26 / 27	गु	28	शु	29	श	30	र	31	सो	1 फरवरी	मं	2	बु	3	गु	4	शु	5	श	6	र	7	सो	8
माघ शुक्ल	मं	9	बु	10	गु	11	शु	12	शु	12	श	13	र	14	सो	15	मं	16	बु	17	गु	18	शु	19	श	20	र	21	सो	22
फाल्गुन कृष्ण	मं	23	बु	24	गु	25	शु / श	26 / 27	र	28	सो	29	मं	1 मार्च	बु	2	गु	3	शु	4	श	5	र	6	सो	7	मं	8	मं	8
फाल्गुन शुक्ल	बु	9	गु	10	शु	11	श	12	र	13	सो	14	मं	15	बु	16	गु	17	शु	18	श	19	र	20	सो	21	मं	22	बु	23
चैत्र कृष्ण	गु	24	शु	25	श	26	र	27	सो	28	मं	29	बु	30	गु	31	शु	1 अप्रैल	श	2	र	3	सो	4	मं	5	बु	6	गु	7
चैत्र शुक्ल सं.2073	शु	8	श	9	श	9	र	10	सो	11	मं	12	बु	13	गु	14	शु	15	श	16	र	17	सो	18	मं	19	बु	20	गु / शु	21 / 22
वैशाख कृष्ण	श	23	र	24	सो	25	मं	26	बु	27	गु	28	शु	29	श	30	र	1 मई	सो	2	मं	3	बु	4	गु	5	गु	5	शु	6
वैशाख शुक्ल	श	7	र	8	सो	9	मं	10	बु	11	गु	12	शु	13	श	14	र	15	सो	16	मं	17	बु	18	गु	19	शु	20	श	21
ज्येष्ठ कृष्ण	र	22	सो	23	मं	24	बु	25	गु	26	शु	27	श	28	र	29	सो	30	मं	31	बु	1 जून	गु	2	शु	3	श	4	र	5
ज्येष्ठ शुक्ल	र	5	सो	6	मं	7	बु	8	गु	9	शु	10	श	11	र	12	सो	13	मं	14	बु / गु	15 / 16	शु	17	श	18	र	19	सो	20
आषाढ़ कृष्ण	मं	21	बु	22	गु	23	शु	24	श	25	र	26	सो	27	मं	28	बु	29	बु	29	गु	30	शु	1 जुलाई	श	2	र	3	सो	4
आषाढ़ शुक्ल	मं	5	बु	6	गु	7	शु	8	श	9	र	10	सो	11	मं	12	बु	13	गु	14	शु	15	श	16	र	17	सो	18	मं	19
श्रावण कृष्ण	बु	20	गु	21	शु	22	श	23	र	24	सो	25	मं	26	बु	27	गु	28	शु	29	श	30	श	30	र	31	सो	1 अगस्त	मं	2
श्रावण शुक्ल	बु	3	गु	4	शु	5	श	6	र	7	सो	8	मं / बु	9 / 10	गु	11	शु	12	श	13	र	14	सो	15	मं	16	बु	17	गु	18
भाद्रपद कृष्ण	शु	19	श	20	र	21	र	21	सो	22	मं	23	बु	24	गु	25	शु	26	श	27	र	28	सो	29	मं	30	बु	31	गु	1 सितम्बर
भाद्रपद शुक्ल	शु	2	श	3	र	4	सो	5	मं	6	बु	7	गु	8	शु	9	श	10	र	11	सो	12	मं	13	बु	14	गु	15	शु	16
आश्विन कृष्ण	श	17	र	18	सो	19	मं	20	बु	21	बु	21	गु	22	शु	23	श	24	र	25	सो	26	मं	27	बु	28	गु	29	शु	30
आश्विन शुक्ल	श	1 अक्टूबर	र / सो	2 / 3	मं	4	बु	5	गु	6	शु	7	श	8	र	9	सो	10	मं	11	बु	12	गु	13	शु	14	श	15	र	16
कार्तिक कृष्ण	र	16	सो	17	मं	18	बु	19	गु	20	शु	21	श	22	र	23	सो	24	मं	25	बु	26	गु	27	शु	28	श	29	र	30
कार्तिक शुक्ल	सो	31	मं	1 नवम्बर	बु	2	गु / शु	3 / 4	श	5	र	6	सो	7	मं	8	बु	9	गु	10	शु	11	शु	11	श	12	र	13	सो	14

घटी-बढ़ी तिथियों का स्पष्टीकरण

13-14 शामिल मंगल को
11 रविवार को
7-8 शामिल शुक्रवार को
.....
12-13 शामिल गुरुवार को
3 सोमवार को
4-5 शामिल शुक्र को
4 शुक्र को 14-30 शामिल मंगल को
.....
.....
2-3शामिल शनि को पूर्णिमा गुरु को
13-14 शामिल गुरुवार को
.....
30-01 शामिल रविवार को
11 बुधवार को
9-10 शामिल बुधवार को
.....
11-12 शामिल शनिवार को
7 मंगल को 16 दिवसीय शुक्ल पक्ष
3-4 शामिल रविवार को
.....
5-6 शामिल रविवार को
2 रवि को 15-1 शामिल रवि को
.....
4 गुरु को 11-12 शामिल शुक्र को

प्रमुख व्रत विधान

अष्टाह्निका
का.शु.7 बुध 18 नवं 2015 से का शु 15 बुध 25 नवं 2015 तक।
फा. शु. 8 बुध 16 मार्च 2016 से फा.शु.15 बुध 23 मार्च 2016 तक।
आ.शु.8 मंगल 12 जुलाई 16 से आ.शु.15 मंगल 19 जुलाई 16 तक।
का.शु.7 मंगल 7 नवं 16 से का.शु.15 मंगल 14 नवं 16 तक।

षोडशकारण
पौ. शु. 15 शनि 23 जन 16 से फा.कृ. 1 मंगल 23 फर 16 तक।
फा.शु. 15 बुध 23 मार्च 16 वैशा.कृ.1 शनि 23 अप्रैल 16 तक।
श्राव.शु.14 बुधवार 17 अग 16 से आश्वि कृ.1 शनि 17 सित 16।

दशलक्षण
माघ शु. 5 शुक्र 12 फर.16 से माघ शु.14 रवि 21 फर 16 तक।
चैत्र शु.5 सो. 11 अप्रै 16 से चैत्र शु.14 बुध 20 अप्रैल 16 तक।
भाद्र शु.5 मंगल 6 सित. 16 से भाद्र शु. 14 गुरु 15 सितं 16 तक।

पुष्पांजलि
माघ शु. 5 शुकवार 12 फर 16 से माघ शु.9 शुक्र 16 अप्रैल 16 तक।
चैत्र शु.5 सोम 11 अप्रै 16 से चैत्र शु. 9 शुक्र 15 अप्रैल 16 तक।
भाद्र शु.5 मंगल 6 सितं 16 से भाद्र शु. 9 शनि 10 सितं 16 तक।

रत्नत्रय
माघ शु. 13 शनि 20 फर 16 से मघ शु. 15 सोम 22 फर 16 तक।
चैत्र शु. 13 मंगल 19 अप्रै 16 से चैत्र शु. 15 गुरु 21 अप्रै 16 तक।
भाद्र शु.13 बुधवार 14 सितं 16 से भाद्र शु. 15 शुक्र 16 सितं 16 तक।

ऋषभ निर्वाण	: माघ कृ. 14 रविवार 7 फरवरी 2016
ऋषभ जयंती	: चैत्र कृ. 9 शुक्रवार 1 अप्रैल 2016
महावीर जयंती	: चैत्र शु. 13 मंगलवार 19 अप्रैल 2016
अक्षय तृतीय	: वैशाख शुक्ल 3 सोमवार 9 मई 2016
श्रुत पंचमी	: ज्येष्ठ शुक्ल 5 गुरुवार 9 जून 2016
वीर शासन जयंती	: श्रावण कृष्ण 1 बुधवार 20 जुलाई 2016
मोक्ष सप्तमी	: श्रावण शु. 7 मंगलवार 9 अगस्त 2016
सौभाग्य दशमी	: श्रावण शु. 10 शनिवार 13 अगस्त 2016
रक्षाबंधन	: श्रावण शु. 15 गुरुवार 18 अगस्त 2016
रोटतीज	: भाद्रपद शु. 3 रविवार 4 सितम्बर 2016
शील सप्तमी	: भाद्रपद शु. 7 गुरुवार 8 सितम्बर 2016
सुगंध दशमी	: भाद्रपद शु. 10 रविवार 11 सितम्बर 2016
अनंत चतुर्दशी	: भाद्रपद शु. 14 गुरुवार 15 सितम्बर 2016
क्षमावाणी	: आश्विन कृ. 1 शनिवार 17 सितम्बर 2016
महावीर निर्वाण	: कार्तिक कृष्ण 30 रविवार 30 अक्टूबर 2016
रविव्रत	: आषाढ़ सुदी में अंतिम रविवार से 9 रविवार करें। नमक का त्याग करें।

रोहिणी व्रत

मार्गशीर्ष कृष्ण 1
मार्गशीर्ष शुक्ल 14
पौष शुक्ल 11
माघ शुक्ल 9
फाल्गुन शुक्ल 7
चैत्र शुक्ल 5
वैशाख शुक्ल 2
ज्येष्ठ शुक्ल 1
प्र. आ. कृष्ण 13
द्वि. आ. कृष्ण 10
श्रावण कृष्ण 10
भाद्रपद कृष्ण 9
आश्विन कृष्ण 7
कार्तिक कृष्ण 4

मुक्तावली व्रत

कार्तिक शुक्ल 3
कार्तिक शुक्ल 11
मार्गशीर्ष कृष्ण 11
मार्गशीर्ष शुक्ल 3
भाद्रपद शुक्ल 7
आश्विन कृष्ण 6
आश्विन कृष्ण 13
आश्विन शुक्ल 11
कार्तिक कृष्ण 12

आपकी स्मृतियां सदा
हमें आपकी उपस्थिति
का अहसास दिलाती है

अवसान : 27-9-2007
पू.पिताजी स्व.श्री नरेन्द्र जैन
(सायकल वाले)
श्रद्धा नमन :
श्रीमती चंदा जैन
निशांत-रेशू जैन
नमिता-कमलेश जैन
नम्रता-निदेश जैन
चार्मी, चिदेश जैन
आयुषी, अशिता जैन
उत्कर्ष, वेदांत जैन
समस्त सिंघई परिवार
एवं स्नेहीजन

फर्म :
फिटनेस वर्ल्ड
एल.जी.3, के.के. बापना आर्केड
जंजीरवाला चौराहा, इन्दौर
फोन : 0731-2432833
मो.: 94250-58636

ऐलीमेन्ट टेक्नोलॉजी
ऐलीमेन्ट सेनिटेशन
105, के.के. बापना आर्केड
जंजीरवाला चौराहा, इन्दौर
फोन : 0731-4020999
मो.: 94250-58636

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फुल पेज (अंदर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

ललितपुर समाज द्वारा क्रय भूमि पर भूमि पूजन, क्षमावाणी एवं वार्षिकोत्सव आनंदपूर्वक संपन्न

राकेश कुमार जैन (डब्लू), ललितपुर । श्री दि. जैन गोलालारीय समाज (रजि) ललितपुर द्वारा क्रय की गयी भूमि पर भूमि पूजन क्षमावाणी तथा वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री मुन्नालालजी एडवोकेट ने की मुख्य अतिथियों के रूप में सदर विधायक रमेश कुशवाहा श्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष अनिल अंचल मंत्री डॉ. अक्षय टडैया तथा संयोजक प्रदीप सतरवांस एवं वरिष्ठ समाज श्रेष्ठी समिति संरक्षक सेठ श्री चम्पालाल नौहरकलां व डॉ. श्रीमती अरुणा उपस्थित रहे । भगवान आदिनाथ के चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ मंत्री श्री अनिल नारियल ने पिछली सभा की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया संस्था अध्यक्ष ने इन्दौर से प्रकाशित पत्रिका प्रयास के बारे में सभी को जानकारी दी और अधिक से अधिक अपने विवाह योग्य पुत्र पुत्रियों का नामांकन पत्रिका में कराने का अनुरोध किया । माननीय विधायक तथा अतिथियों के साथ संस्था पदाधिकारियों के करकमलों से क्रय की गयी भूमि का भूमि पूजन किया गया, साथ ही साधारण सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि क्रय की गयी भूमि से लगी और भूमि को क्रय कर लिया जाय ताकि अच्छे भवन का निर्माण हो सके । इस बाबत सदर विधायक द्वारा समिति को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया । समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार प्रकट कर कमेटी को बधाई दी तथा और भूमि क्रय करने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की । इस अवसर पर महिलाओं द्वारा रंगोली, मेहंदी तथा भजन

प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसका संचालन श्रीमती नम्रता पत्नी अंकित, एड श्रीमती निधि पत्नी पंकज मेडिकल, श्रीमती नेहा पत्नी अभिषेक कडेसरा द्वारा किया गया। सभी प्रतियोगियों को पारितोषिक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिसकी उपस्थिति साधर्मीजनों ने काफी सराहना की। वर्ष 2014-15 के मेघावी छात्रों को प्रमाण पत्र व आकर्षक उपहार से सम्मानित किया गया। समिति द्वारा संस्था के संरक्षकों का प्रमाण पत्र व शाल भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में संस्था के मंत्री द्वारा सभी का आभार व्यक्त किय गया, कार्यक्रम का संचालन जिनेन्द्र बिरधा द्वारा किया गया जिसमें सहयोग अंकित एड तथा राकेश ने किया । तत्पश्चात समाजजनों ने सपरिवार स्नेहभोज का आनंद लिया ।

पावागिरीजी में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम - क्षमावाणी पर्व मनाया गया

विशाल जैन पवा तालबेहट । स्वर्णभद्रादि मुनिराजों की निर्वाण स्थली सिद्ध क्षत्र पावागिरीजी सहित कस्बे के दोनों जैन मंदिरों में राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से चातुर्मास काल की बेला के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये गये । अष्टान्हिका महापर्व में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन धीरज भैयाजी राहतगढ़ के नेतृत्व में किया गया। कुलदीप जैन एण्ड पार्टी भोपाल के मधुर संगीत में श्रद्धालुओं ने अर्घ चढ़ाकर पुण्यार्जन किया । इसके पूर्व प्रतिष्ठाचार्य अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बाल ब्रह्मचारी श्रद्धेय अशोक भैयाजी उदासीन आश्रम इन्दौर के दिशा निर्देशन में वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया। नीलेश जैन एण्ड पार्टी के मधुर संगीत में विधिपूर्वक कर्मो की निर्जरा के लिए अर्घ चढ़ाये एवं हवन में आहूतियां दी । कार्यक्रम में आयोजित भजन प्रतियोगिता के अंतर्गत सीनियर कु. विभा वीरेन्द्रकुमार बामौर, जूनियर में कु. अनमोल प्रवीणकुमार कडेसरा एवं पूजन थाल सजाओ प्रतियोगिता में श्रीमती कांति जयकुमार पवैया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । दशलक्षण महापर्व के सभी दिन धर्म प्रभावना होती रही, सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर उमेश भैयाजी सांगानेर के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का आनंद लिया । इस अवसर वक्ताओं ने कहा कि किंञ्चित भी परिग्रह न करना आकिञ्चन धर्म कहलाता है तथा अपने शील की रक्षा करते हुए ब्रह्मचर्य की साधना की जाती है । आत्मा का कल्याण करने के लिए हमें संयम से रहना होगा, संयम के बिना जीवन पशु के समान है । चारों कषाय को छोड़कर सत्य को धारण करना पहला महाव्रत है। चारों कषाय पांच महापापों का उद्गम हैं, अत: हमें क्रोध, अभिमान, मायाचारी और लोभ को छोड़कर सत्य और संयम को धारण करना चाहिए । तप और त्याग के बिना मानव का कल्याण संभव नहीं है, तप और त्याग के द्वारा हमारी कलुषित आत्मा निर्मल होती है । जिसमें इच्छाओं को सीमित करना पड़ता है । राग को कम करना त्याग एवं पात्र व्यक्ति को आहार, औषधि और शास्त्रादि देना दान कहलाता है । रात्रि में महाआरती के कार्यक्रम के अंतर्गत लकी जैन एण्ड पार्टी गढ़ाकोटा के मधुर संगीत में श्रद्धालु प्रभु की भक्ति में झूम उठे तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यासागर पाठशाला के छोटे छोटे बच्चों ने ने अपने हुनर से सभी को प्रभावित किया । सिद्ध क्षेत्र पावागिरी में दशलक्षण महापर्व समापन पर मंगलवार को क्षमावाणी महापर्व पं. विनोदकुमार शास्त्री के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया, जिसके अंतर्गत सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अभिषेक पूजन किया । मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में आयोजित किये गये, जिसमें मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण, द्वीप प्रज्जवलन, शिखरों पर ध्वजारोहण, कलशाभिषेक एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । वक्ताओं ने कहा कि हमें जीवन में क्षमा को धारण करना चाहिए, क्रोध सभी पापों की जड़ है, क्षमा मांगना और क्षमा कर देना दोनों श्रेष्ठ है । गलती करना मानव का स्वभाव है लेकिन यदि उससे सीख न ली तो कभी भी हमारा कल्याण नहीं हो सकता । और यदि पहली बार में ही गलती से सीख ले ली जाये तो गलती करना सफलता का सूत्र बन सकता है, सही निर्णय लेना हमारी सफलता का राज है, अनुभव से सही निर्णय लेना सीखते हैं और अनुभव हमें गलतियों से ही मिलता है । सभी ने पयूर्षण पर्व में दस धर्मों की आराधना के द्वारा आत्मा को पवित्र बनाया है, अब हमें बैर को मिटाने के लिए जीवन में की हुयी गलतियों के लिए क्षमा मांगकर क्षमावाणी महापर्व को सार्थक बनाना है । कस्बे में पयूर्षण पर्व के समापन पर सोमवार को श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, विमानोत्सव के कार्यक्रम में पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिरजी से श्रीजी की शोभा यात्रा प्रारम्भ हुयी जिसमें सबसे आगे तैलीय चित्रों की झांकी, धर्मावलंबी धर्म ध्वजा लेकर एवं उनके पीछे श्रद्धालु वीर सेवा दल के साथ डीजे बैंड बाजों की धुन पर झूमते नाचते हुए चल रहे थे । रास्ते में सभी भक्तों ने अपने द्वारों पर श्रीजी आरती उतारी एवं युवा जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया । पं. विजय कृष्णा शास्त्री के नेतृत्व में ध्वजारोहण, कलशाभिषेक एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । तत्पश्चात सभी ने गतवर्ष में हुयी गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी एवं गले मिलकर क्षमावाणी पर्व मनाया । रात्रि में भजन संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में श्रीमती रश्मि चौधरी एवं मयूर चौधरी विजयी रहे । सीनियर फैन्सी ड्रेस एवं अभिनय प्रतियोगिता में कु. दीक्षा चौधरी प्रथम, रश्मि चौधरी एवं शिखा मोदी द्वितीय, प्रीति मोदी एवं प्रिंस आकृति पारौन तृतीय स्थान पर रहे । भजन प्रतियोगिता में कु. अंकिता चौधरी प्रथम, कु. दीक्षा चौधरी एवं आकृति पारौन द्वितीय, कु. विभा एवं कु. सेवी चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किये । जूनियर फैन्सी ड्रेस एवं अभिनय प्रतियोगिता में कु. परी मोदी प्रथम, मिठया पर्वराज एवं अंश जैन द्वितीय, अंश मोदी एवं संभव चौधरी तृतीय स्थान पर रहे । गरबा नृत्य के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों ने सुंदर प्रस्तुति दी एवं सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । संचालन ज्ञानचंद्र पुरा, चौधरी चक्रेश जैन एवं अनिल जैन बबीना ने किया ।

श्रुताराधक पंडित श्रेयांसजी का भव्य अभिनंदन समारोह

जिनवाणी साधना के सशक्त हस्ताक्षर, शास्त्री परिषद के यशस्वी अध्यक्ष, स्यादवाद महाविद्यालय के अमूल्य रत्न, राष्ट्रीय स्तर के लगभग दो दर्जन पुरस्कारों और दर्जनों उपाधियों से विभूषित, संस्कृत भाषा मर्मज्ञ, व्याख्यान वाचस्पति पंडित डॉ. श्रेयांसकुमार जैन का अभिनंदन समारोह भव्य रूप में दिनांक 18 अक्टूबर को गजियाबाद में अनेक शुभकामनाओं और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। उपाध्याय श्री 108 नयनसागरजी मुनिराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह के मुख्य अतिथि श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नयी दिल्ली के कुलपति प्रो. रमेशकुमार पाण्डेयजी, अध्यक्ष श्रीमती सरिता महेन्द्रकुमार जैन, चेन्नई, डॉ. रमेशचंद्र जैन, श्रवणबेलगोला, श्री निर्मलजी सेठी आदि समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं जैन विद्ववत जगत के शीर्षस्थ विद्वानों की विशाल उपस्थिति में डॉ. श्रेयांशजी को विशाल अभिनंदन ग्रंथ समर्पित कर उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सूरजमल विहार की समाज ने डॉ. श्रेयांसजी को 'सिद्धांतमहोदधि' की उपाधि से अलंकृत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ विद्वानों में प्रो. भागचंद भास्कर, प्रो. प्रेमसुमन जैन, प्रो. फूलचंद जैन, प्रो. वृषभप्रसाद जैन, प्रो. अशोक जैन, प्रो. विजय जैन, प्रो. नलिन शास्त्री, डॉ. शीतलचंद जैन, डॉ. कपूरचंद जैन, डॉ. नरेन्द्र जैन, डॉ. सुरेन्द्र भारती आदि अनेक विद्वानों की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इन्दौर गोलालारीय समाज न्यास के अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, सचिव बाहुबली एवं न्यासी राजेन्द्रकुमार सांईनाथ कालोनी ने समाज की ओर से डॉ. श्रेयांशजी का सम्मान किया। श्रवणबेलगोला से पधारे लगभग 52 कलाकारों ने अद्भुत सांस्कृतिक नृत्य के माध्यम से जिनवाणी की वंदना और प्रस्तुत की। अनेक वक्ताओं ने डॉ. श्रेयांशजी ने विगत पचास से भी अधिक वर्षों में जैन, धर्म, दर्शन एवं समाज के क्षेत्र में जो अभूतपूर्व योगदान की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस भव्य समारोह के माध्यम से समाज उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करके गौरवान्वित हुआ।

पत्रकार प्रदीप जैन को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान

संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में 'संसदीय हिन्दी परिषद' का राष्ट्रभाषा उत्सव एवं राष्ट्रभाषा सम्मान आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रसिद्ध पत्रकार, कवि एवं टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माता श्री प्रदीप जैन को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान (मीडियाकर्मी) अर्पण किया गया। साहित्य अनुरागियों से खचाखच भरे संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में पूर्व लोक सभा सचिव एवं संसदीय विशेषज्ञ पद्मभूषण डॉ. सुभाष कश्यप, विशिष्ट अतिथि डॉ. देवेन्द्र राज अंकुर, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल श्री त्रिलोकीनाथ चर्तुवेदी, 'परिचय साहित्य परिषद' की अध्यक्षा श्रीमती उर्मिल सत्यभूषण, 'विधि भारती परिषद' की महासचिव श्रीमती संतोष खन्ना तथा पूर्व सांसद श्रीमती सत्या बहिन के कर कमलों द्वारा प्रदीप जैन को मिला यह सम्मान हम सभी मित्रों, काव्य प्रेमियों, पत्रकार जगत और जैन समाज के लिए गौरव की बात है।

प्रदीप जैन एक बहुआयामी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व हैं जिनके खाते में पत्रकारिता और कई पत्रिकाओं का संपादन दर्ज़ है। रेडियो, टेलीविजन के लिए अनेक धारावाहिक एवं टेली–फिल्मों का निर्माण आप कर चुके हैं। काव्य की कई विधाओं में भी आप सफलतापूर्वक अपना योगदान देते रहते हैं और एक लोकप्रिय कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

कवि पत्रकार प्रदीप जैन असम के मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

देश का जानी मानी साहित्यिक संस्था **'सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति'** का तीन दिवसीय 7वां राष्ट्रीय अधिवेशन गुवाहाटी (असम) में संपन्न हुआ। अधिवेशन उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई ने किया। शिल्पोग्राम के भव्य सभागार में हुये इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि पं. सुरेश नीरव ने की। प्रेक्षा प्रकाशन के संपादक और साहित्य प्रेमी श्री जगदीश ठकराल के गरिमामयी संयोजन में कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में 'जैन प्रचारक' के मुख्य संपादक एवं टी.वी. फिल्म निर्माता, पत्रकार–कवि श्री प्रदीप जैन सहित देशभर से आये कई रचनाकारों को मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई ने स्मृति चिन्ह और शाल प्रदान कर सम्मानित किया।

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास एवं गोलालारी दर्शन परिवार की ओर से आपकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाईयां प्रेषित करता है।

यंग जैना अवार्ड सिद्धक्षेत्र पावागिरी में संपन्न

राजेश जैन, झाँसी। प्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरी (पवाजी) में राष्ट्रीय यंग जैना अवार्ड का दो दिवसीय गरिमामयी समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनेक राज्यों से आई होनहार प्रतिभाओं का आत्मीय स्वागत पश्चात सत्र का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने भगवान पार्श्वनाथ, आचार्यश्री विद्यासागरजी व मुनिश्री क्षमासागरजी के चित्रों का अनावरण प्रबंधकारिणी समिति, पावागिरी ने एवं दीप प्रज्जवलन ब्रह्मचारी विजय भैया व त्यागी बहनों ने कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यंग आर्केस्ट्रा झाँसी ने सुमधुर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। लंदन से आये इंजी. योगेन्द्र जैन (शिवपुरी में 2001 में संपन्न पहले राष्ट्रीय यंग जैना अवार्ड के टॉपर अवार्डी) एवं मुंबई से आई श्रीमती रेशु जैन ने 'यंग जैना अवार्ड' की रुपरेखा खुबसूरती के साथ प्रस्तुत की। इस पहले सत्र में नई दिल्ली से आए मैनेजमेंट गुरु श्री रवि स्वामीनाथन ने 'व्यक्तित्व विकास' पर सारगर्भित व्याख्यान में जीवन में आगे बढ़ने के लिए 15 सूत्र बताते हुए इनकी व्याख्या की और मेघावी प्रतिभाओं की 'करियर कांउसलिंग' की, जिसमें प्रतिभाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर श्री अतुल जैन दिल्ली, श्री धरणेन्द्र जैन व श्री राजेन्द्र जैन झांसी ने श्री स्वामीनाथन का भावभीना सम्मान किया।

द्वितीय सत्र मंदिरजी में आरती के बाद सायं 7 बजे शुरु हुआ। इस विशेष सत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वी के अवार्डियों को विभिन्न क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने करियर संबंधी सार्थक मार्गदर्शन दिया। श्री योगेन्द्र जैन लंदन ने सिविल सर्विसेस, श्री सिद्धार्थ जैन (आर.जी अकेडमी अजमेर) एवं निकुंज जैन दिल्ली ने इंजीनियरिंग, श्री आलोक जैन मुंबई ने मैनेजमेंट, श्री नमन जैन ने सी.ए.–सी.एस. श्री अनुराग जैन ने मेडिकल और श्री सौरभ जैन ने आंतेप्रेन्योरशिप पर अवार्डियों को मार्गदर्शन दिया ताकि वे अपनी रुचि के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सके। इसी सत्र में पूज्य मुनिश्री क्षमासागरजी के करियर चुनने पर केन्द्रित प्रवचन की विडियो और मुनिश्री के जीवन पर केन्द्रित एक प्रेरक डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गयी। मैत्री समूह अजमेर के साथियों ने 'धर्म और विज्ञान' विषय पर सारगर्भित प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रभात फेरी निकाली गई। 6.30 से 7.00 बजे तक सभी को बेसिक योगा से परीचित कराते हुए अभ्यास कराया गया।आमंत्रित प्रतिभाएं एवं मैत्री समूह के सदस्यों ने पूजन व अभिषेक किया। तत्पश्चात आईआईएम के प्रोफेसर व अन्य प्रोफेसनल ट्रेनर श्री प्रियंका गांगुलीजी ने 'पर्सनल्टी डेवलेपमेंट' पर बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। आयोजन में देशभर से मिली 1395 प्रतिभाओं की प्रविष्टियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चयनित 100 प्रतिभाओं का आत्मीय एवं गरिमापूर्ण सम्मान समारोह हुआ। उल्लेखनीय है कि यंग जैना अवार्ड में सन् 2015 में 10वी कक्षा में 85%, 12वीं कक्षा में साइंस में 80% एवं आर्ट्स एवं कामर्स में 75% या इससे अधिक अंक पाने वाली मेघावी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। गौरतलब है कि बिना शासकीय सहायता के जैन समुदाय द्वारा देशभर की जैन प्रतिभाओं का सम्मान समारोह अत्यंत प्रबंधकीय कौशल व अनुशासन के साथ आयोजित होता है। अवार्डी पूज्य आचार्यश्री के दर्शन करने बीनाबारहाजी गये परिचय के दौरान जब आचार्यश्री को बताया गया कि पूज्यश्री इनमें से कई अवार्डी 100 में से 100% लाये है तो आचार्यश्री ने प्रसन्न होकर सभी को खूब आशीर्वाद दिया। पूज्य मुनिश्री योगसागरजी, पूजय मुनिश्री प्रभादसागरजी, पूज्य मुनि संभवसागरजी, पूज्य मुनिश्री सौम्यसागरजी ने सभी को मार्गदर्शित किया।

पूज्य मुनिश्री ने निस्चलसागरजी (जो अपने गृहस्थ जीवन में मैत्री समूह के लिए समर्पित थे) ने सभी अवार्डी को विशेष मार्गदर्शन एवं नियम दिलाये। हमारे पुण्य मुनिश्री क्षमासागरजी का आशीर्वाद हम सबको मिला है। अपने हिस्से के इस आशीर्वाद और स्नेह को हमने अतिथि सत्कार, विनय और सेवा के रूप में पिछले दिनों दूसरो को दिया है, और देकर इसे बढ़ाया है। एक टीम के रूप में किये गये कार्यों की परिणति का आयोजन की भव्यता और सफलता में दिख रही है, मैत्री समूह के प्रत्येक यूनिट और वालंटियर्स ने निष्ठा के साथ अपने हिस्से का कार्य किया। सुदूर जंगल में स्थित सिद्धक्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में अपने अपने हिस्से के कार्यों को पूरी प्रसन्नता से हर कोई कर रहा था। हम सब मुनिश्री को याद करते हुए यथाशक्ति धर्म और त्याग करते हुए इसमें संलग्न थे। हम जानते है जो वहां उपस्थित नहीं थे उन्होंने ने भी अपनी शुभकामनायें दी है। स्वयं और पर के कल्याण के लिए किये गये आयोजन के लिए सब बधाई के पात्र हैं कार्यक्रम के सभी सत्रों का संचालन डॉ. सुमति प्रकाश जैन व श्री राजेश बड़कुल छतरपुर द्वारा किया गया एवं आभार इंजी. योगेन्द्र जैन लंदन द्वारा माना गया।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ साआनंद संपन्न

सुधेश जैन, इन्दौर । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के स्थायी ट्रस्टी इंजी. श्री आनंदकुमार जैन द्वारा दिनांक 18 से 26 नवम्बर तक अष्टान्हिका महापर्व के शुभ अवसर पर श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर गुमास्ता नगर में सानंद संपन्न हुआ । परिवारजनों, परिजनों एवं स्थानीय समाज के साथ मिलाकर किया गया महामंडल विधान सभी के हृदय में चिरस्मरणीय बन गया । पं. रतनलालजी शास्त्री के मार्गदर्शन में व विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी श्री अभय भैयाजी 'आदित्य' इन्दौर के निर्देशन में आयोजित उक्त विधान में सभी श्रावकों एवं भक्तों ने सिद्ध भगवान की आराधना करते हुए अपने कर्मों की निर्जरा की ।

प्रतिदिन अभिषेक शांतिधारा, नित्य नियम पूजन, संगीतकार अहमिन्द्र जैन गंजबासौदा की संगीतमय स्वर लहरियों से मंडल विधान की पूजन, शाम को भक्ति, आरती, रात्रि में प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला से आठों दिन जिनधर्म की प्रभावना होती रही । समय समय पर पंडित रतनलालजी शास्त्री, उदासीन आश्रम के अधिष्ठाता बा.ब्र. अनिल भैयाजी, सुनील भैयाजी, विजया दीदी, शशि दीदी आदि ने अपने प्रवचनों के माध्यम से सिद्ध भगवंतों की महिमा का ज्ञान कराया ।

विधान में श्री आनंदकुमार जी के परिवार, परिजनों के साथ स्थानीय समाज के लगभग 101 इन्द्र इन्द्राणियों ने जोड़े सहित भक्ति आराधना की । इस शुभ अवसर पर दिल्ली, अहमदाबाद, सिंगापुर, रायपुर, नागपुर, घसौर, झांसी, मुंगेली, बीना, उज्जैन, नौगांव, ललितपुर, मढ़िया आदि विभिन्न जगह से आये रिश्तेदारों ने धर्म की बहती इस गंगा में डुबकी लगाकर स्वयं को कृतार्थ किया ।

इन्दौर सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारजी कासलीवाल, मंत्री श्री राजकुमार पाटोदी, समाजसेवी श्री हसमुखजी गांधी, गोलालारीय समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, स्थायी ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी, खुशालचंदजी, हरिशचंदजी, राजेन्द्रकुमार साइकलवाले, राजेन्द्र जैन 'बागो' स्थानीय अध्यक्ष श्री प्रीतिपाल टोंग्या, सुभाष सेठिया, अरविन्द एडवोकेट, अशोक जैन, मुकेश जैन विजय नगर, सुनील जैन न्यू देवास रोड़, राजेन्द्रकुमार जैन सांइनाथ कालोनी आदि ने समय समय पर अपना सानिध्य देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी एवं श्री आनंदकुमारजी, शांतिकुमारजी, भरतेशजी, बाहुबलीजी एवं अनंतजी के प्रति अपने स्नेह एवं वात्सल्य की डोर को दृढ़ता प्रदान की ।

संपूर्ण विधान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि लगभग 100 श्रावक श्राविकाओं ने 64 ऋद्धि व्रत का संकल्प लेकर स्वयं के जीवन को नियम संयम से नियंत्रित किया एवं आत्म शांति एवं विश्व शांति के लिए सवा लाख मंत्रों का जाप अनुष्ठान भी हुआ, इंजीनियर श्री आनंदकुमारजी इन्दौर समाज के न्यास के संस्थापक सचिव पद पर आसीन रहकर वर्तमान में आप न्यास के स्थायी ट्रस्टी है । आपके अनुज शांतिकुमारजी (अध्यक्ष गंजबासौदा), बाहुबलीजी (सचिव श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास इन्दौर) समाज के प्रति समर्पित रहते है । आप मूलरुप से गंजबासौदा के रहने वाले है । आपके पिता श्री सुंदरलालजी जिन्होंने बाद में आचार्य धर्मसागरजी से मुनि दीक्षा लेकर मुनि श्री 108 समकित सागरजी के नाम से विख्यात हुए । आपके पिताजी से ही आपको एवं आपके परिवार को धार्मिक संस्कार प्राप्त हुए ।

आपने मंदिरजी एवं समाज के अनेकों संस्थाओं को मुक्त हस्त से दान देकर अपनी चंचल लक्ष्मी का सदुपयोग किया । गोलालारीय समाज की ओर से धर्मप्रभावना बढ़ाने एवं विधान के सफल आयोजन पर समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया । गोलालारीय दर्शन परिवार एवं गोलालारीय समाज न्यास की ओर से आपको एवं आपके परिवार को हार्दिक बधाईयाँ ।

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नवीन मंदिर में भव्य वेदिका शिलान्यास समारोह संपन्न

मुकेश जैन, पृथ्वीपुर । बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले में पृथ्वीपुर नगर में निर्मित हो रहे श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राठौर कालोनी, पृथ्वीपुर के नवीन जिनालय की बेदी का शिलान्यास कार्यक्रम दिनांक 28.11.2015 को भक्तिभाव से संपन्न हुआ । शिलान्यास महोत्सव आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आचार्यश्री के धर्म प्रभावक शिष्य अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बा.ब्र. श्री अशोक भैयाजी एवं डॉ. श्रेयांशकुमार जैन अध्यक्ष अ.भा. दि. जैन शास्त्री परिषद के मंगल सानिध्य में एवं श्री जिनेन्द्रकुमार सेतुलालजी दुमदुमा निवासी हाल अहमदाबाद की अध्यक्षता में धर्मप्रभावना पूर्ण संपन्न हुआ ।

इस अवसर पर इस भव्य वेदिका के निर्माण पुण्यार्जकों की घोषणा हुई और यह सौभाग्य 1) डॉ. श्रेयांशकुमार जैन अध्यक्ष शास्त्री परिषद, श्री प्रद्युम्नकुमार, श्री भानुकुमार जैन दुमदुमा परिवार 2) श्री कमलेश जैन राजू पुत्र स्व. श्री ज्ञानचंद्र जैन राजापुर परिवार एवं 3) श्री ठाकुरदास विमलकुमार जैन लड़वारी परिवार को प्राप्त हुआ । वेदिका शिलान्यास में सर्वतोभद्र शिला एवं शिलान्यास का पुण्यार्जन भी 3 सौभाग्यशाली परिवारों को प्राप्त हुआ 1) श्री अशोककुमार नवीनकुमार जैन दुमदुमा 2) श्रीमती सुलेखा पति श्री सुरेश जैन दिगौड़ा 3) श्री जीवनधर, अजयकुमार, संजयकुमार जैन मढ़िया को प्राप्त हुआ ।

इस अवसर पर पधारे हुए समस्त क्षेत्रीय समाज का अभिवादन मंदिर कमेटी के सदस्यों श्री महेन्द्र जैन, श्री नरेन्द्र जैन, श्री अखिलेश जैन, श्री अरविन्द लड़वारी, जितेन्द्र खिस्टौन, राकेश दुमदुमा, रवीन्द्र दुमदुमा, इंजी. राजेन्द्र जैन, कुलदीप खिस्टौन, प्रसन्न जैन, सत्येन्द्र जैन, रिंकू जैन, प्रवीण जैन, दिपेश जैन, सत्येंन्द्र जैन, गौरव जैन, रवीन्द्र जैन बीमा एजेंट, सचिन जैन, पंकज जैन, मुकेश जैन, भानु जैन, अमित राजापुर, शशिभूषण जैन। नवीन मंदिर निर्माण हेतु उदार मन से दान राशि हमारे बैंक खाते में जमा कर सकते है । भारतीय स्टेट बैंक, शाखा पृथ्वीपुर, खाता क्रं. 35035209516 IFSC SBIN0002886 'श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर' के नाम से जमा कर सकते है । संपर्क सूत्र देवेन्द्र जैन 9893640593, मुकेश जैन 9893679614, अखिलेश जैन 9893679649

बधाईयाँ

* 15 साल के **सोमिल जैन** पुत्र अर्चना–मनोज जैन विदिशा को भोपाल में राज्यपाल द्वारा भारत स्काउटएवं गाइड केडिट के लिए पुरस्कृत किया गया । स्काउट अकादमी की ओर से अब आपका नाम राष्ट्रपति सम्मान के लिए चयनित हुआ है ।

* श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन की पौत्री एवं डॉ. समीर निर्मल की पुत्री **कु. मर्मिका** जैन का इस वर्ष ए.आई.पी.एम.टी की प्रवेश परीक्षा में शासकीय रीवा मेडिकल कॉलेज में चयन हुआ ।

* बच्चों में गणित विषय की रुचि बढ़ाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूसीमास प्रतियोगिता आयोजित की जाती है । यह प्रतियोगिता प्रथम बार नेशनल व इंटरनेशनल एक्ज़ाम दिल्ली यूनिवर्सिटी केम्पस में आयोजित की गयी जिसमें इन्दौर के **मा. अतिशय** संजयकुमार जैन ने इंटरनेशनल एक्ज़ाम में द्वितीय स्थान एवं नेशनल में पांचवा स्थान प्राप्त किया ।

क्रियांश जैन ने 14 वर्ष की उम्र में 61वीं राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत व कांस्य पदक प्राप्त किया । आपने वर्ष 2013 से इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अनेको पद प्राप्त किये है ।

इन्दौर से प्रकाशित वीर निकंलक पत्रिका के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में **मास्टर प्रणय** संजय जैन का सम्मान किया गया । समारोह में बड़ी संख्या में इन्दौर व अन्य नगरों के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी । मा. प्रणय संजय जैन ने लगातार 11 घंटे तक ड्रम बजाकर कीर्तिमान स्थापित किया था ।

संलेखना व्रत के रोक पर विरोधस्वरुप 24 अगस्त को संपूर्ण भारत वर्ष में धर्म बचाओ आंदोलन हुआ, जिसमें ललितपुर समाज के 17000 सदस्यों ने अभूतपूर्व रूप से सामूहिक मुंडन कराकर इस आंदोलन में हिस्सा लिया था । सामूहिक मुंडन कराने के कारण ललितपुर समाज का नाम वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुआ । जिसके स्वरुप ललितपुर समाज को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई ।

सत्मार्ग पर बढ़ते कदम...

राजेश जैन । 28 मूल गुणों को धारण करने के लिए आतुर झांसी नगर के गोलालारीय परिवार एवं समाज को गौरवांवित करने वाले स्व. राजेन्द्र जैन के सुपुत्र श्री विकास जैन की जैनेश्वरी दीक्षा के पूर्व नगर में भव्य बिनौली शोभायात्रा बग्घी बैंडबाजों के बीच जयकारों के साथ मुख्य मार्ग से निकाली गयी । मुख्य मार्ग में रहने वाले जैन परिवारों ने बग्घी पर सवार दीक्षार्थियों को तिलक कर गोद भरी व मंगल आरती उतारी । उनके सत्मार्ग पर बढ़ने की मुक्त कंठ से सराहना की व बुजुर्गजनों ने अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया । दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में गोद भराई समारोह आयोजित किया गया । समारोह के अध्यक्ष उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन, अलीगढ़ ने कहा कि साधु जीवन स्वयं एक तीर्थ के समान है । ये जहां भी विचरण करते है वहां का वातावरण खुशनूमा एवं धर्ममयी बन जाता है । ब्र. विकास भैया ने दीक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि देव और नर्क के प्राणी संयम धारण नहीं कर सकते है, सिर्फ मनुष्य जीवन ही संयम साधना के अनुकूल होता है । अत: भगवान महावीर के अहिंसा धर्म के परिपालन व आत्म कल्याण के लिए वैराग्यमय जीवन अमूल्य निधी है । इस हेतु सभी को पुरुषार्थ करना चाहिए । इस अवसर पर पंचायत के महामंत्री श्री प्रवीण जैन 'दैनिक विश्व परिवार' ने कहा कि इस कलयुग में किसी व्यक्ति के जन्म जन्मांतरों के पुण्य जब उदय में आते है तब उन्हें मोह माया से परे आत्मकल्याण के लिए वैराग्य का मार्ग प्राप्त होता है । विदित हो कि ब्र. विकास भैया ने आचार्य विनिश्चय सागरजी महाराज के सानिध्य में ध्यान, साधना व स्वाध्याय में निपूर्णता हासिल की है । इस अवसर पर अनेकों परिवारों की ओर से प्रभावना वितरित की गयी । कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जैन व लवी जैन ने संयुक्त रूप से किया एवं आभार पंचायत मंत्री राजेश जैन 'बीड़ीवालों' ने व्यक्त किया ।

देश-विदेश के नगरों में महापर्व पर्यूषण पश्चात गरिमामय वातावरण में क्षमावाणी धूमधाम से संपन्न

मुंबई

संजय जैन, मुंबई । श्री मुंबई दिगम्बर सेवा समिति द्वारा 12वां सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉल, गोरेगांव (पश्चिम) में किया गया । जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने भाग लिया और एक दूसरे से गले मिलकर क्षमा मांगी और दूसरों को क्षमा किया । कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री एस.पी. जैन और समिति के महामंत्री डॉ. सुभाष और मंच संचालन श्री संजय 'राजा' ने किया । समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ बुद्धिजीवी श्रेष्ठीजन मंच पर उपस्थित थे, उन्होंने अपने विचार समाज के समक्ष रखे । डॉ. विनय जैन ने युवा वर्ग को आगे आने के लिए एक नई क्रांति लाने का विचार समाज के सामने रखा जिसे सभी लोगो ने सराहा । जैन सेवा समिति जैन समाज के लिए समय समय पर बहुत अच्छे कार्य आयोजित करती आ रही है जिसमें समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया जावे ताकि वे आगे चलकर जैन समाज को गौरवांवित कर सके । सेवा समिति के सदस्य और कार्यकर्तागण बहुत ही सराहनीय कार्य समाज के लिए कर रहे है और आशा करता हूँ कि आने वाले समय में भी सेवा समिति इसी तरह से दिगम्बर जैन समाज का नाम मुंबई के साथ साथ पूरे देश में अपना नाम रोशन करेगी ।

अहमदाबाद

श्रेयांश धर्मसैया, अहमदाबाद । श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धनलक्ष्मी हरिगंगा सोसायटी ओढ़व में पर्वाधिराज पर्व बड़े धूमधाम से मनाये गये । इस अवसर पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन आदि हर्षोल्लास से संपन्न हुये । दोपहर 3 बजे जयपुर से पधारी विदुषी ब्र. चंद्रप्रभा दीदी ने सहस्त्रनाम का वाचन किया । सायंकाल महामंगल सामूहिक आरती बड़े उत्साह से संपन्न हुई । सभी कार्यक्रमों में युवा वर्ग ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । पर्व के समापन दिवस पर दोपहर में गाजे बाजे के साथ श्रीजी की पालकी पर भव्य रथयात्रा निकाली गयी, जिसमें महिलायें केशरी वस्त्र, मस्तक पर मंगल कलश व पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र धारणकर चल रहे थे । रथयात्रा के पश्चात शांतिधारा एवं फूलमाला हुई । प्रतिदिन विविध प्रतियोगिता के साथ नाटक का भी मंचन हुआ ।

पन्ना

अभिषेक जैन 'अभि', पन्ना । आत्म साधना, आत्म आराधना का महान सनातन पर्यूषण पर्व श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान के नाम से सुरभित पन्ना नगर में बहुत आनंद, उल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ । धर्म के दशलक्षण अर्थात् दस धर्मों के दिन सुबह से मंदिरजी में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन आचार्य श्री 108 वासुपूज्य सागरजी महाराज के प्रवचन, दोपहर में आचार्यश्री द्वारा तत्वार्थ सूत्र पर प्रवचन, शाम को आरती, प्रवचन एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी ने बहुत ही उत्साह और आनंदपूर्वक धर्ममय वातावरण में अपने परिणामों में विशुद्धि को बढ़ाया । व्रतों के समापन पर क्षमावाणी पर्व मनाया गया जिसमें सभी ने वात्सल्य से अभिभूत होकर विगत वर्ष में जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी । सुबह आचार्य श्री 108 वासुपूज्य सागरजी महाराज का क्षमावाणी पर विशेष प्रवचन हुआ । आचार्यश्री द्वारा क्षमावाणी पर्व की महिमा को बताया कि पर्यूषण पर्व का पहला दिन ही उत्तम क्षमा का दिन होता है और पर्यूषण पर्व के समापन पर भी क्षमा धर्म की आराधना के लिए क्षमावाणी मनायी जाती है । धर्म के दस लक्षणों में उत्तम क्षमा की शक्ति अतुल्य है । क्षमा भाव आत्मा का धर्म कहलाता है । यह धर्म किसी व्यक्ति विशेष का नहीं होता बल्कि समूचे प्राणी जगत का होता है । आज जो संपूर्ण विश्व में हिंसा, अशांति एवं अराजकता का वातावरण निर्मित होता दिख रहा है वह धर्म को न पहचानने के कारण हो रहा है । हमारे जीवन में क्षमाभाव आ जाये तो क्षमावाणी मनाना सार्थक है । दोपहर को बड़ा बाजार स्थित मंदिरजी से भगवान की शोभायात्रा निकाली गई जो शहर के सभी प्रमुख मार्ग से होते हुये धाम मोहल्ला स्थित मंदिर पहुंची । जहां पर भगवान का अभिषेक, शांतिधारा व पूजन हुआ पूजन के बाद श्रीजी की शोभा यात्रा वापस बड़ा बाजार स्थित मंदिरजी में अभूतपूर्व धर्म की प्रभावना करते हुए संपन्न हुई ।

जबलपुर

अरविन्द जैन, बाकल जबलपुर । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर श्री दिगम्बर गोलालारीय जैन नवयुवक सभा, जबलपुर द्वारा क्षमावाणी महोत्सव का पर्व मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री वीरेन्द्र जैन, मुख्य अतिथि श्री राजकुमार जैन एवं विशिष्ठ अतिथि श्री डी.के. जैन की उपस्थिति में मनाया गया । सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संत आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के तेल चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं कु. रीतिका जैन, रिया जैन द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत श्रीफल एवं माला से अध्यक्ष अरविंद जैन, उपाध्यक्ष अश्विन जैन, महासचिव डॉ. सुनील जैन, जयकुमार जैन, सनत जैन एवं आलोक जैन, सुनील जैन भाउ, अमित जैन द्वारा किया गया । बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भजन डांस एवं गीत संगीत ने सभी का मन मोह लिया । प्रश्न मंच श्रीमती निधि तारबाबू द्वारा कराया गया, जिसमें धर्म से संबंधित एवं सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को श्रोताओं से पूछा गया । सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया । अंत में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों का सम्मान किया गया । समाज की अंकिता जैन को बेडमिंटन टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल एवं प्रदेश लेवल में सिल्वर पदक प्राप्त करने पर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन मुकेश फणीश द्वारा किया गया । समापन पर अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया एवं सुरुचिभोज कराया गया ।

इन्दौर

अनुपमा जैन, इन्दौर । पयूर्षण पर्व पश्चात क्षमावाणी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन समाज मंदिरजी न्यू देवास रोड़ स्थित 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर में संपन्न हुआ । मंचासीन अतिथियों में समाज के ट्रस्टीगण एवं वरिष्ठजनों के साथ साथ समाजजन व मेघावी विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यक्रम का मंगलाचरण श्रीमती सीमा जैन ने किया तत्पश्चात कक्षा 1 से 12वीं तक के मेघावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीमती विजया अजयकुमार जैन ललितपुर की ओर से मेघावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया । गोलालारीय दर्शन पत्रिका द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं गोलालारीय समाज न्यास की ओर से प्रथम, द्वितीय व प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये तत्पश्चात पयूर्षण पर्व में 10 या कम उपवास करने वाले तपसाधकों को भी सम्मानित किया गया । कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी ब्रह्मचारी अधिष्ठाता अनिल भैयाजी ने । अपने सारगर्भित उद्बोधन में उन्होंने जीवन में क्षमा धर्म का महत्व बताया । समाज सचिव श्री बाहुबली जैन ने सचिवीय उद्बोधन में वर्षभर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और अध्यक्ष श्री कोमलचन्द्रजी ने आभार प्रदर्शन किया । श्री जी के अभिषेक पश्चात उपस्थित समाजजनों ने परस्पर क्षमायाचना की तत्पश्चात सुस्वादु भोजन का आनंद लिया । कार्यक्रम पश्चात समाजजनों की यह भावना रही कि आगामी वर्ष से क्षमावाणी कार्यक्रम प्रात:कालीन सत्र में आयोजित हो ताकि सभी कार्यक्रमों के लिए उचित समय मिल सके ।

गंजबासौदा - चांदी की पालकी में सवार होकर निकले भगवान

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । पर्यूषण पर्व पश्चात नगर में जैन समाज ने चल समारोह निकाला । इस दौरान कई धार्मिक आयोजन हुए । शनिवार सुबह 8 बजे धूसरपुरा गांधी चौक स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विमान में भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई । डीजे बैंड, ढोल और अष्ट मंगल द्रव्य झांकियों के साथ निकाली गई शोभायात्रा में जैन समाज के लोग शामिल हुए । इसमें युवक-युवतियां डांडिया खेलते और अन्य श्रद्धालु भजन गाते चल रहे थे । भगवान महावीर की शोभायात्रा का नगर में जगह-जगह आरती-पूजन कर दर्शन किया गया । नगर के विभिन्न संगठनों ने भी शोभायात्रा का स्वागत किया । हिन्दू उत्सव समिति ने नेहरु चौक पर टेंट लगाकर स्वागत किया । मुख्य मार्ग से निकाला गया बेहलोट रोड़ स्थित चंद्र प्रभु जिनालय में कलशाभिषेक के साथ समाप्त हुआ ।

पहली बार चंद्रप्रभु जिनालय पहुंची यात्रा - बेहलोट मार्ग पर चंद्रप्रभु जिनालय स्थापित होने के बाद पहली बार पालकी यात्रा जिनालय पहुंची । बरेठ रोड के त्रिमूर्ति जिनालय में पिछले साल 14 सितम्बर को श्रीजी की शोभायात्रा का समापन हुआ था । इस बार बेहलोट रोड के जिनालय में यात्रा का समापन किया गया । इससे पहले पर्यूषण पर्व के समापन पर जितनी भी शोभायात्राएं निकाली गई, वे सभी गांधी चौक और महावीर विहार के बीच ही निकाली जाती रही है ।

आचार्यश्री के जन्मोत्सव पर हुए धार्मिक आयोजन एवं पत्रिका विमोचन संपन्न

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । आचार्य विद्यासागरजी महाराज का जन्मोत्सव महावीर विहार में धार्मिक माहौल के बीच पूरे भक्तिभाव के साथ मनाया गया । नगर में चातुर्मास कर रहे मुनिश्री पदमसागरजी महाराज के सानिध्य में सकल जैन समाज द्वारा आचार्यश्री का जन्मदिवस महावीर विहार में मनाया गया । जिसमें सुबह आचार्यश्री का सामूहिक पूजन, अभिषेक, शांतिधारा की गई । वहीं आचार्य छत्तीसी विधान के बाद मुनिश्री ने आचार्य विद्यासागरजी महाराज के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तक का विमोचन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सुबह से देर शाम तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे । इस मौके पर विधायक निशंक जैन, पूर्व नपाध्यक्ष लीना जैन और सतीश जैन मंत्री मौजूद रहे । इस पुस्तक में आचार्य श्री के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण चित्रों के साथ उनके संस्मरण भी प्रकाशित किए गए हैं । इसके बाद महावीर विहार में मुनिश्री पदमसागरजी महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में आचार्यश्री की प्रशंसा करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने और उनके गुणों को अपनाने की शिक्षा दी । इस मौके पर समाज के लोगों द्वारा मुनिश्री को शास्त्र भेंट किए गए । दोपहर में समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने आरती सजाओ प्रतियोगिता में शामिल होकर आकर्षक थालियां, दीप आदि सजाए । शाम को आचार्य श्री की महाआरती के बाद मुनिश्री वीर सागर पाठशाला के बच्चों ने आचार्य श्री के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया । इस दौरान बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु और श्रद्धालु उपस्थित थे ।

अमेरिका

राजकुमारी जैन, अमेरिका । डेटान में पयूर्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाये गये । पर्व के दसों दिन नित्य पूजन एवं अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये । अनंत चतुर्दशी के दिन 100 से अधिक दिगम्बर जैन समाजजनों ने नित्य पूजन, अभिषेक कर धर्मलाभ उठाया ।

सिंगापुर

रोहित जैन, सिंगापुर । सिंगापुर में पयूर्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाये गये । दशलक्षण पर्व के दसों दिन पूजन, अभिषेक, एवं सायंकालीन आरती, शास्त्र वाचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये । धूपदशमी के दिन सिंगापुर में उपस्थित समाजजनों ने मंदिरजी में विशेष पूजा कर धूप चढ़ायी । पयूर्षण पर्व के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के दिन अनेकों ने उपवास व एकासन किया।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (देखने समयानुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 001
2. **विनिता सेजमल जैन**
3. पंचरतन/फणीश
4. 9.05.86
5. 17.30
6. विदिशा
7. एम.एस.सी. (गणित)
8. 5'3''/46 कि.
9. गोरा
10. शा.सर्विस अध्यापक
11. 2.40 लाख
12. –
13. –
14. दुर्गा चौक, तलैया विदिशा
15. 9179428948, 9827231440
16. -

1. 002
2. **शेफाली राजेशकुमार जैन**
3. मनोरिया/सोनबिहारे
4. 22.06.92
5. 11.02
6. विदिशा
7. बी.ई. (कम्प्यूटर साइंस)
8. 5'4''/55 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – ओराकल प्रोग्रामर
11. 1.20 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 101/बी, महावीर एम्पायर रेसीडेंसी ब्रजेश्वरी एनेक्स, इन्दौर
15. 9425967853, 0731-2590505
16. jainshafali1992@gmail.com

1. 003
2. **रुपल सुरेन्द्रकुमार जैन**
3. लांगुर/फणीश
4. 3.11.87
5. 17.30
6. ललितपुर
7. एम.एस.सी, बी.एड
8. 5'4''/–
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. 732, गौशाला अखाड़े के पीछे तालाबपुरा, ललितपुर
15. 8853667804, 8960595711
16. -

1. 004
2. **रितु राजेश जैन**
3. फणीश/गोट
4. 06.09.88
5. 12.20
6. –
7. बी.ई.(आई.टी), एम.बी.ए
8. 5'4''
9. गोरा
10. सर्विस
11. –
12. हाँ
13. –
14. जैन कालोनी, कटेरा जिला झांसी (उ.प्र)
15. 9936704512, 9936814060
16. -

1. 005
2. **मोना जिनेन्द्रकमार जैन**
3. पंचरतन
4. 22.06.91
5. –
6. करैरा
7. एम.कॉम
8. 5'
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. ब्लाक आफिस के सामने जिला शिवपुरी
15. 9425762848, 9415401538
16. -

1. 006
2. **राहुल नरेन्द्रकुमार मनोरिया**
3. मनोरिया/भंडारी
4. 28.03.87
5. 22.25
6. विदिशा
7. बी.ई. कम्प्यूटर सांइस
8. 5'9''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–कोगनीजेंट, पुणे
11. 7.50 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. नरेन्द्रकुमार मनोरिया एस.डी.ओ.
15. 9926363775
16. -

1. 007
2. **हेमंत राजकुमार जैन**
3. पंचरतन/सिंघई
4. 11.07.83
5. 20.00
6. बबीना
7. स्नातक
8. 5'5''
9. साफ
10. सर्विस
11. 2.80 लाख
12. –
13. हाँ
14. लोहा बाजार, चौबयाना तालबेहट जिला ललितपुर
15. 9473581089, 9452600543
16. -

1. 008
2. **आदित्य अरविंद जैन**
3. सोनबिहारी
4. 17.01.89
5. 20.45
6. –
7. एम.कॉम, एम.एस.सी
8. 5'6''
9. गोरा
10. व्यवसाय
11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. मढ़िया वार्ड, बीना इटावा जिला सागर (म.प्र)
15. 9039846880
16. -

1. 009
2. **अभिषेक सनतकुमार जैन**
3. फणीस/धमसैया
4. 10.09.87
5. 22.25
6. ललितपुर
7. एम.एस.सी (साइकोबायोलॉजी)
8. 5'11''
9. –
10. सर्विस
11 –
12. हाँ
13. –
14. 6बी/बी, विनित कुंज, जैन मंदिर के पास, कोलार रोड, भोपाल
15. 7898932167, 9300224448
16. -

1. 010
2. **सौरव विजयकुमार जैन**
3. पटवारी/बिलौउआ
4. 10.08.91
5. 6.00
6. –
7. एम.टेक
8. –
9. गोरा
10. सर्विस – गुना
11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. ईशा नगर रोड नौगांव, छतरपुर
15. 9755448454, 9713018416
16. -

1. 011
2. **विवेक जिनेन्द्रकुमार जैन**
3. पंचरतन
4. 17.08.89
5. 00.30
6. करैरा
7. बी.सी.ए.
8. 5'3''
9. –
10. खली किराना मर्चेंट, करैरा
11. –
12. –
13. –
14. ब्लाक आफिस के सामने, करैरा जिला शिवपुरी
15. 9926229654, 9455257703
16. -

1. 012
2. **निपिन नरेन्द्रकुमार जैन**
3. पंचरतन/लांगुर
4. 26.12.87
5. 01.45
6. सतना
7. बी.ई
8. 5'2''/–
9. गोरा
10. डायमंड ज्वलेरी
11. 6.00 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. पन्ना
15. 9407146802
16. -

1. 013
2. **डॉ. आकाश बसंतकुमार जैन**
3. वैद्य/पवैया
4. 21.07.89
5. 5.25
6. हमीरपुर
7. एमबीबीएस, पीजी
8. 5'7''/58 कि.
9. गोरा
10. शासकीय सर्विस
11. 7.50 लाख
12. –
13. –
14. 46–बी, नारायण नगर, होशंगाबाद रोड, भोपाल
15. 8889296430
16. -

1. 014
2. **निधि अमरचंद जैन**
3. पंचरतन/फणीश
4. 22.09.88
5. 18.10
6. मनेन्द्रगढ़
7. एम.एस.सी., बी.एड
8. 5'4''/55 कि.
9. गोरा
10. सर्विस
11. –
12. –
13. –
14. अहिंसा भवन के पास, सिविल लाइन, मनेन्द्रगढ़, कोरिया (छत्तीसगढ़)
15. 9977123485, 9415055883
16. -

भूल सुधार – प्रयास रिश्तों को जोड़ने का प्रत्याशी क्रं. 3011 दिव्या जैन का नाम त्रुटिवश रंगीन फोटो में शीतल जैन दर्ज हो गया है । हम क्षमाप्रार्थी है ।

शब्द जाल प्रतियोगिता-12

नीचे कुछ कहावतों को आधा भाग एक कॉलम में और दूसरा भाग दूसरे कॉलम में लिखा है । सही हिस्सों को जोड़कर कहावत को पूरा करे ।

प्रतियोगी का फोटो

प्रतियोगी का नाम _____

पता _____

_____

मोबाइल नं. _____

क्र	कॉलम ए	क्र.	कॉलम बी
1	अधजल गगरी	1	दाल बराबर
2	अब पछताये होत का	2	बातों से नहीं मानते
3	घर की मुर्गी	3	छलकत जाये
4	कुदरत की माया	4	आँगन टेढ़ा
5	लातों के भूत	5	जब चिड़िया चुग गयी खेत
6	नाच न जाने	6	खजूर में अटका
7	चिकने घड़े पर	7	गुलगुलों से परहेज करे
8	आंख का अंधा	8	कहीं धूप, कहीं छाया
9	गुड़ खाये	9	पानी नहीं ठहरता
10	आसमान से गिरा	10	नाम नैनसुख

आकाश जैन विदिशा

प्रेमचंद जैन भोपाल

डॉ. सोनिया जैन भोपाल

श्रीमती वंदना जैन भोपाल

श्रीमती संगीता जैन इन्दौर

कु. अनुष्का जैन खरगोन

श्रीमती सरोज जैन उज्जैन

श्रीमती पूनम जैन विदिशा

श्रीमती आशा जैन इन्दौर

श्रीमती विमला जैन इन्दौर

श्रीमती उषा जैन, खुरई

9 सही जवाब देने वाले प्रतिभागी

श्री गुलाबचंद जैन, ललितपुर

कु. अमिषा जैन जखौरा

निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर** । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं के नाम निकालकर आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे। * **नियम** – प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग महिला / पुरुष / बच्चों के लिए है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 31 जनवरी 2016** सही जवाब के साथ प्रतियोगी परिवार प्रमुख का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो लगाकर पूर्ण पता मय पिनकोड के साथ अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। अपूर्ण जानकारी होने पर प्रविष्टी को निरस्त किया जा सकता है । प्रतियोगिता 12 के परिणाम आगामी अंक में प्रकाशित किये जायेंगे।

विवाहोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. केप्टन अनिरुद्ध दादी के साथ

वर-वधु के साथ दिवाकीर्ति परिवार (अनिल प्रेस), गंजबासौदा

आयुष्मति इंजी. नेहल

सुपौत्री : स्व.स.सि. श्री श्रीनंदनलाल-बसंतीबाई जैन दिवाकीर्ति

सुपुत्री : डॉ. अनिलकुमार-डॉ. मंजुला जैन

गंजबासौदा

का

शुभ विवाह

आयुष्मान केप्टन अनिरुद्ध

सुपौत्र : श्री पं. लालचंदजी जैन 'राकेश'

सुपुत्र : इंजी श्री अनिलजी-रेखा जैन

गंजबासौदा

दिनांक 23 नवम्बर 2015 को गंजबासौदा में सआनंद संपन्न हुआ।

शुभकामनाओं के साथ

श्रीमती बसंतीबाई जैन ✿ डॉ. रश्मि-इंजी. महावीर जैन ✿ श्रीमती अंशु-इंजी. हेमंत जैन

✿ डॉ. रजनी-डॉ. कपिल जैन ✿ श्रीमती प्रियल-सौरभ जैन ✿ सेजल, सम्यक, हिमांशु, गरिमा, प्रियांशु, रोहन, वर्तिका

जवाहरलाल नेहरु स्मृति महाविद्यालय, अनिल प्रेस, जैनम प्ले स्कूल परिवार, गंजबासौदा

चि. कार्तिक संग सौ.कां. रेशी जैन

23 नवम्बर 2015 को होटल सोलिटेयर इन, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) में संपन्न

पाणिग्रहण संस्कार पर हार्दिक बधाई, आशीर्वाद एवं शुभकामनायें

मामा पक्ष

योगेशकुमार भंडारी, एड. नरेन्द्रकुमार भंडारी (मामाजी)

अनुराग, अमित, अंकित, प्रशम, हितेश, कृष्णराज भंडारी (भाई)

एवं समस्त भंडारी परिवार, सागर

डॉ. कपूरचंद-डॉ. ज्योति जैन, खतौली (माता-पिता)

कोमलचंद जैन, अहमदाबाद (ताऊजी)

देवेन्द्रकुमार जैन, अहमदाबाद, सी.ए. सुमतकुमार जैन, झाँसी (चाचाजी)

संजीव कुमार जैन, अहमदाबाद, इंजी. अनिकेत जैन, गुड़गांव

पारस जैन, अहमदाबाद, वैभव जैन, विभु जैन, झाँसी (भाई)

एवं समस्त बरधुवाँ (दतिया) परिवार

नवदाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. इंजी. मयंक
सुपौत्र : सिंघई जीवनधर-सरोज जैन * सुपुत्र : सिंघई विजय-आशा जैन, इन्दौर

का मंगल परिणय

सौ.कां. इंजी. सोनाली
सुपौत्री : स्व. श्री ज्ञानचंदजी जैन * सुपुत्री : श्री ऋषभ-सुधा जैन, विदिशा

दिनांक 2 दिसम्बर 2015 को इन्दौर में हर्षोल्लासपूर्वक सपंन्न ।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ. अजय-कल्पना जैन, संजय-संजना जैन मढ़िया, इंजी. अनघ-डॉ. मोनिका जैन अहमदाबाद,
ननिहाल पक्ष - चौधरी कैलाशचंद्र-सुशीला जैन, चौधरी वैभव-दिप्ती जैन, विदिशा

प्रतिष्ठान - मोनिका ज्वेलर्स

नवदाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौ.कां. आकांक्षा (सिम्पी)
सुपौत्री : स्व. श्रीमती प्रभावती-स्व. श्री फूलचंदजी पंचरतन
सुपुत्री : श्रीमती चंदा-नवीन पंचरतन, इन्दौर

संग

चि. शशांक
सुपौत्र : श्रीमती कुसुमजी-स्व. श्री पुष्पेन्द्रजी मलैया
सुपुत्र : श्रीमती रश्मिजी-डॉ. शतेन्द्रजी मलैया, महरौनी

का मंगल परिणय

दिनांक 6 दिसम्बर 2015 को इन्दौर में हर्षोल्लासपूर्वक सपंन्न ।

शुभकामनाओं सहित...

श्रीमती पुष्पाजी (विदिशा) * श्रीमती आशा-रमेशचंदजी (रायपुर) * श्रीमती कांती-सुरेशचंदजी (इन्दौर)
श्रीमती अंजली-जीवेशजी (भोपाल) * श्रीमती सपना-अंचल (भाभी-भैया)
ननिहाल पक्ष - श्रीमती शांतिबाई, श्रीमती सुशीला-नेमीचंदजी, श्रीमती संगीता-राजेशजी (ललितपुर)

प्रतिष्ठान - पंचरतन साईकिल स्टोर, इन्दौर

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स जील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित